डॉ मर्सी लता और डॉ विषांत को सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2022

नई दिल्ली में केंद्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने किया सम्मानित

सीएसआईआर-सीरी के दो वैज्ञानिकों डॉ ए. मर्सी लता और डॉ विषांत को वर्ष 2022 के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) का प्रतिष्ठित **युवा वैज्ञानिक पुरस्कार** प्रदान किया गया है। सीरी के चेन्नै केंद्र में कार्यरत डॉ मर्सी लता को **इंजीनियरिग विज्ञान वर्ग** में और पिलानी मुख्यालय में कार्यरत डॉ विषांत को **भौतिक विज्ञान (इंस्ट्रुमेन्टेशन सहित) वर्ग** में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सीएसआईआर -राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में माननीय केंद्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री **डॉ जितेन्द्र सिंह जी** ने प्रदान किया। इस अवसर पर सीएसआईआर की महानिदेशक **डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी** सहित डीएसटी के पूर्व सचिव डॉ रामासामी, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

डॉ जितेन्द्र सिह, माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री से सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करते हुए
डॉ मर्सी लता, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ विषांत, प्रधान वैज्ञानिक

डॉ मर्सी लता को यह सम्मान '**इंजीनियरिग विज्ञान**' **वर्ग** में उनके द्वारा '**अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए अग्रणी, उच्च-शक्ति माइक्रोवेव उपकरणों और उच्च आवृत्ति (टेराहर्ट्ज) प्रणाली**' के क्षेत्र में शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया है तथा डॉ विषांत को '**भौतिक विज्ञान (इंस्ट्रुमेन्टेशन सहित)**' वर्ग में '**जायरोट्रॉन और सब-टेराहर्ट्ज विकिरण स्रोत**' के क्षेत्र में उनके शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

डॉ मर्सी लता एवं डॉ विषांत को यह सम्मान उनके द्वारा विगत पाँच वर्षों के दौरान मुख्य रूप से भारत में किए गए शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। दोनों वैज्ञानिक एसीएसआईआर के इंटीग्रेटेड पीएचडी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी रहे हैं। डॉ. पी. सी. पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर-सीरी सहित संस्थान के सभी कार्मिकों ने दोनों वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

इस पुरस्कार के अंतर्गत विजेता को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री तथा महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्तिपत्र सहित 50,000 रूपये नकद एवं एक प्लैक प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त पुरस्कार विजेताओं को 45 वर्ष की आयु तक प्रति माह 7500/- रू. (रूपये सात हजार पॉच सौ) का विशेष मानदेय भी प्रदान किया जाता है। प्रत्येक सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्तकर्ता को पाँच वर्ष की अवधि के दौरान 25 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान भी प्रदान किया जाता है जो कि सामान्यत: प्रतिवर्ष रुपए 5 लाख होता है ।

वर्ष 1987 में आरंभ किया गया सीएसआईआर का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे (i) जीव विज्ञान (ii) रसायन विज्ञान (iii) पृथ्वी, वायुमंडल, महासागर एवं ग्रहीय विज्ञान (iv) अभियांत्रिकी विज्ञान एवं (v) भौतिक विज्ञान (इंस्ट्रुमेन्टेशन सहित) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है। इससे पूर्व भी सीएसआईआर-सीरी के चार वैज्ञानिकों सर्वश्री डॉ पी के खन्ना (1984), डॉ उदित नारायण पाल (2015), डॉ बाला

सुब्रह्मण्यम पेसला (2016) तथा डॉ नीरज कुमार (2018) को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ ए मर्सी लता, प्रधान वैज्ञानिक

डॉ मर्सी लता वर्तमान में सीएसआईआर-सीरी के चेन्नै केंद्र की टेराहर्ट्ज लैब में प्रधान वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ मर्सी लता ने वर्ष 2009 में बी टेक और वर्ष 2011 में हाईपावर माइक्रोवेव डिवाइसेज़ एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग में एम.टेक. की। आपको वर्ष 2016 में ट्रैवलिंग वेव ट्यूब्स में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। आपने वर्ष 2011 में सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में वैज्ञानिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आपके शोध रुचि के क्षेत्र हैं - ट्रैवलिंग वेव ट्यूब्स, मल्टीस्टेज डिप्रेस्ड कलेक्टर्स, कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स आदि। विभिन्न उच्च स्तरीय जर्नलों में आपके 45 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इससे पूर्व डॉ मर्सी लता को मोटोरोला स्कॉलर्स सम्मान (2009), आल इंडिया एम वी चौहान बेस्ट पेपर अवार्ड (2015), सीएसआईआर-सीरी बेस्ट वूमेन रिसर्चर अवार्ड (2016) तथा डॉ स्वराज श्रीवास्तव मेमोरियल वूमेन रिसर्चर अवार्ड (2020) से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

डॉ विषांत, प्रधान वैज्ञानिक

डॉ विषांत वर्तमान में सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हाई पावर माइक्रोवेव सिस्टम्स ग्रुप में प्रधान वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। आपने 2009 में बी टेक और वर्ष 2011 में एम.टेक. की। आपको वर्ष 2019 में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। आपने वर्ष 2011 में सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में वैज्ञानिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आप भारत के प्रथम जायरोट्रॉन (42 गीगाहर्ट्ज, 200 किलोवॉट) के शोध एवं विकास में शामिल रहे हैं। वर्तमान में आप हाई पावर कॉम्पैक्ट सब टेराहर्ट्ज स्रोत के विकास में शोधरत हैं। आपके शोध रुचि के क्षेत्र हैं - कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रो मैग्नेटिक्स, बीम वेव इंटरैक्शन मेकैनिज़्म, हाई-पावर हाई-फ्रीक्वेंसर वेव गाइड्स एंड फिल्टर्स आदि। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में आपके 11 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इससे पूर्व डॉ विषात को डी ए ए डी फेलोशिप (2015) तथा सीएसआईआर स्थापना दिवस सम्मान (2019) से भी सम्मानित किया जा चुका है।

समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान

नई दिल्ली में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने किया सम्मानित

सीरी के डॉ मर्सी लता और डॉ विषांत को सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

सीमा सन्देश

शेखावाटी सन्देश

आयोजन नई दिल्ली में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया सम्मानित

डॉ. मर्सी लता व विशांत पुरस्कार 2022 से सम्मानित

राजस्थान पत्रिका

झुंझुनूं पत्रिका

सीरी के डॉ. मर्सीलता व डॉ. विशांत सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से दिल्ली में हुए सम्मानित